प्रकृति का अनुशासन

कु० एकता शर्मा
कक्षा - ८

सर्दी आयी-सर्दी आयी, कड़कडाती सर्दी आयी,
बच्चों आओ मेरे साथ, देखों बर्फ बनी बरसात ।
चारों तरफ धुन्ध है छायी, रास्ता पड़ता नहीं दिखाई,
गाड़ी वालों को तो देखों, दिन में भी है लाइट जलाई,
सर्दी आयी-सर्दी आयी, कड़कडाती सर्दी आयी ।।

खाओ काजू खाओ बादाम, सर्दी का कर लो इन्तजाम,
दादी हमको छीक बताती, बच्चों को सर्दी लग जाती ।
कीट पतंगा नजर न आता, सर्दी में जाकर छिप जाता,
कोल्ड ड्रिंक तो लगता पानी, कूलर बनी हवा पुरवाई ।
सर्दी आयी-सर्दी आयी, कड़कडाती सर्दी आयी ।।

मौसम की तुम समझो बात, जाड़ा गर्मी और बरसात,
बारी-बारी से ये आते, अपना क्रम ये भूल न पाते ।
प्रभु प्यारे ने इन्हें बनाया, अनुशासन का पाठ पढ़ाया,
अनुशासित हर कार्य अच्छा, समझों इसकी तुम गहरायी ।
सर्दी आयी-सर्दी आयी, कड़कडाती सर्दी आयी ।।

* * * * *